पीजी डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य

प्रश्न पत्र - प्रथम

छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण

Course Code : PGDCLL-01

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

कोनी-बिरकोना पहुँच मार्ग, ग्राम पोस्ट बिरकोना, बिलासपुर

फोन : 07752-240712

Web site : http://www.pssou.ac.in

E-mail: vcpssou@rediffmail.com, vc@pssou.ac.in, registrar@pssou.ac.in, info@pssou.ac.in

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Resham Lal Pradhan
Incharge NAAC Criteria
PSSOU, CG Bilaspur

अनुक्रम

1.	छत्तीसगढ़ की भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	डॉ. तृषा शर्मा	5
2.	छत्तीसगढ़ एवं छत्तीसगढ़ी का नामकरण		15
3.	मानक छत्तीसगढ़ी का सुलभ व्याकरण	डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा, एवं डॉ. सुधीर शर्मा	21
4.	छत्तीसगढ़ी भाषा की लोकाभिव्यंजकता	डॉ. बिहारी लाल साहू	37
5.	मुहावरे	डॉ. गीतेश अमरोहित	40
6.	छत्तीसगढ़ी – गद्य का एक नमूना	पालेश्वर शर्मा	47
7.	हिन्दी अनुवाद		50
8.	साहित्य में छत्तीसगढ़ी शब्द का प्रयोग		51
9.	मानकीकृत छत्तीसगढ़ी लेखन		52
10.	छत्तीसगढ़ी : मुड़ उठाय के लइक उपलब्धि		54
11.	प्रमुख प्रश्न		55
12.	सहायक पुस्तकें		58

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Resham Lal Pradhan
Incharge NAAC Criteria-VII
PSSOU, CG Bilaspur

मागधी से संबंधित भाषाओं का विकास हुआ जो निम्नांकित थे-

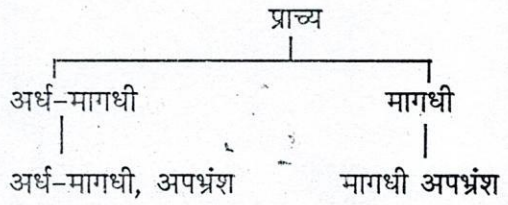

प्राच्य

अर्ध-मागधी — मागधी

अर्ध-मागधी, अपभ्रंश — मागधी अपभ्रंश

(1) अवधी (2) बघेली और (3) छत्तीसगढ़ी

छत्तीसगढ़ी के पूर्व संभवत: यहाँ गोंड़ी भाषा का चलन रहा हो। गोंड़ी द्रविड़-भाषा परिवार की शाखा है। दक्षिण-भारत का प्रभाव संभवत: छत्तीसगढ़ तक फैला रहा हो। यह बात छत्तीसगढ़ में प्रचलित शैवों और वैष्णवों की उपस्थिति से भी सिद्ध होती है। दक्षिण-भारत के लोग प्रमुखत: शैव हैं, जबकि उत्तर भारत के लोग प्राय: वैष्णव हैं। छत्तीसगढ़ में शिव की उपासना बहुत पहिले से चली आई है, जो इस क्षेत्र पर दक्षिण भारत के प्रभाव का स्पष्ट परिचायक है। चेदि शासकों के आगमन के साथ-साथ यहाँ उत्तर-भारत के लोगों का भी आगमन हुआ होगा और उनके साथ नई भाषा का भी। इस बात की पुष्टि इस तथ्य से भी होती है कि छत्तीसगढ़ी बोली और अवधी तथा बघेली में अनेक समानताएँ हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ के वन-क्षेत्रों में जहाँ गोंड़ी की अधिकता है वहाँ आज भी छत्तीसगढ़ी से कुछ भिन्न दक्षिण-भारत की तेलगु, तामिल मिश्रित गोड़ी भाषा बोली जाती है।

हिन्दी और छत्तीसगढ़ी में कुछ रूप संबंधी विभिन्नताएँ हैं, जैसे- हिन्दी में "उसने कहा" को छत्तीसगढ़ी में "ओहा कहीस" और "उसने मारा" को "ओहा मारीस" कहते हैं।

आधारभूत शब्दावली

मानक हिन्दी की आधारभूत (बेसिक) शब्दावली पर तीन अलग-अलग प्रकाशित अध्ययनों के प्रथम सर्वाधिक आवृत्त 100 शब्दों की तुलना करने पर कुल 62 शब्द उनमें एक-समान निकले। उन्हें आधार बनाकर उनमें से प्रत्येक के लिए तीन अलग-अलग शैक्षणिक स्तरों (क-जूनियर हाई स्कूल, ख-हायर सेकेंड्री, ग-स्नातक) के छत्तीसगढ़ी-मातृभाषियों से छत्तीसगढ़ी-प्रतिशब्दों का संकलन किया गया, जिसे सूचीबद्ध तालिका में वर्णाक्रमानुसार आगे प्रस्तुत किया जा रहा है:-

मानक हिन्दी	छत्तीसगढ़ी		
क्र.	क	ख	ग
1. अपना	हमार	अपन	हमर
2. अब	अब	अब	अब
3. आना	आना	आएबर	आना
4. इस	ए	ऐ	ये
5. उन	ओ	ओमन	ओ
6. उस	ओ	वो	ओ
7. ऐसा	अइसे	अइसने	अइसने
8. और	अऊ	अऊ	अइसने
9. करना	करेबर	करेबर	करना
10. कहना	कहेबर	कहेबर	कहिबे
11. का	का	के	का
12. काम	बुता	काम	बुता
13. कि	के	कि	कि
14. को	ला	ला	ला
15. कोई	कोनो	कोनो	कोनो
16. क्या	का	का	का
17. क्यों	काबर	काबर	काबर
18. खाना	खाएबर	खाएबर	खाबे
19. घर	घर	घर	घर
20. चलना	चलेबर	चलेबर	रेंगना
21. चाहना	चाहेबर	चाहेबर	चाहना
22. जब	जब	जब	जबे
23. जाना	जाएबर	जाएबर	जाना
24. जो	जो	जऊन	जउन
25. तुम	तैं	तै	तै
26. तो	तव	त	तो
27. दिन	दिन	दिन	दिन
28. देखना	देखेबर	देखेबर	देखेबे
29. देना	देबर	देबर	देना
30. न	नईं	नइँ	न
31. नहीं	नईं	नइँ	नहीं

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open) University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)
Shri Resham Lal Pra...
Incharge NAAC C...
PSSOU, CG Bilaspur

32. ने	हा	हर	हर	
33. पड़ना	पड़ेबर	पड़ेबर	पड़ना	
34. पर	में	में	पर	
35. फिर	फेर	फेर	फेर	
36. बड़ा	बड़े	बड़े	बड़े	
37. बैठना	बैठेबर	बैठेबर	बैठना	
38. बोलना	बोलेबर	बोलेबर	गों ठियाना	
39. भरना	भरेबर	भरेबर	भरना	
40. भी	ओ	भी	ले	
41. मगर	मगर	मगर	मगर	
42. मिलना	मिलेबर	मिलेबर	भेंटना	
43. मुझे	मोला	मोला	मोला	
44.	में	में	में	में
45. मेरा	मोर	मोर	मोर	
46. मैं	में	में	में	
47. यह	ये	ये	ये	
48. रखना	रखेबर	रखेबर	रखना	
49. रहना	रहेबर	रहेबर	रहेबर	
50. लगना	लगेबर	लगेबर	लगना	
51. लाना	लाएबर	लाएबर	लाएबर	
52. लिए	बर	लेके	बर	
53. वह	ओहर	वो	वो	
54. सकना	सकेबर	सकेबर	सकेबर	
55. सब	सबझन	सब	सबो	
56. समझना	समझेबर	समझेबर	समझना	
57. साथ	संग	संग	संग	
58. से	ले	ले	से	
59. हम	हमन	हमन	हमन	
60. ही	ही	ही	हीं	
61. हुआ	होइस	होइस	होइस	
62. है	हावय	हावय	हे	

सहायक ग्रंथ

- छत्तीसगढ़ी का नामकरण, डॉ. निरूपमा शर्मा छत्तीसगढ़ जनधर्म विशेषांक 1984
- छत्तीसगढ़ का इतिहास डॉ भगवान सिंह वर्मा, सेंट्रल बुक हाउस 1986
- शिलाओं परखुदा छत्तीसगढ़, डॉ. देवीप्रसाद वर्मा जेपी ग्राम विकास संस्थान, 2009
- छत्तीसगढ़ी: परिचय और प्रतिमान, डॉ. रमेशचंद महरोत्रा वैभव प्रकाशन रायपुर, सन 2002
- मानक छत्तीसगढ़ी का सुलभ व्याकरण, डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं डॉ. सुधीर शर्मा , वैभव प्रकाशन, रायपुर (छ.ग.)
- छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ, सं. डॉ. चित्तरंजन कर, वैभव प्रकाशन, रायपुर
- छत्तीसगढ़ी शब्दकोश, सं. डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा, वैभव प्रकाशन, रायपुर (छ.ग.)

●●●

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Reshan Lal Pradhan
Incharge NAAC Criteria-VI
PSSOU, CG Bilaspur